आईआईएम का वार्षिक खेल और सांस्कृतिक उत्सव रश-5.0 का समापन, लाइव बैंड पर लोग झूमे और जोश चढ़ा परवान

वॉकथॉन में बाल तस्करी के खिलाफ संदेश दिया

महोत्सव

रांची | प्रमुख संवाददाता

आईआईएम के वार्षिक खेल व सांस्कृतिक महोत्सव के आखिरी दिन रविवार को सामाजिक संदेश के साथ मनोरंजन का भी भरपूर इंतजाम था। शुरुआत 'वॉकथॉन' से हुई। इसका आयोजन संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट -प्रिंसिपल्स फॉर रिस्पॉन्सिबल मैनेजमेंट एजुकेशन संस्था के सहयोग से किया गया। इसमें आईएमएस के विद्यार्थियों के अलावा खेलगांव आवासीय परिसर में रहनेवाले लोगों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

यह वॉकथॉन बाल तस्करी के विरुद्ध था। इसमें बाल श्रम, बाल तस्करी और बालिकाओं को बचाने का संदेश दिया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय मानवाधिकार अपराध नियंत्रण ब्यूरो के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रणधीर कुमार ने हिस्सा लिया। उनके अलावा खेलगांव आवासीय परिसर के अध्यक्ष रवींद्र नाथ भगत, आईआईएम के प्रोफेसर रोहित कुमार व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी सतीश कुमार ने हिस्सा लिया।

रश-5.0 में रविवार को रैंप शो में शामिल छात्राएं। • हिन्दुस्तान

कार्यक्रम में नृत्य की प्रस्तुति देते संस्थान के विद्यार्थी। • हिन्दुस्तान

मानव तस्करी के कारण है : डॉ रणधीर कुमार ने कहा कि हमें यह जानना चाहिए कि देश में तस्करी अभी भी क्यों प्रचलित है। इसके लिए बेरोजगारी और अनुचित शिक्षा को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जो लोगों को इस तरह के जघन्य अपराधों के लिए उकसाते हैं।

उन्होंने कहा कि हमें घटनाओं के घटित होने के पीछे के वास्तविक कारण को जानना होगा और फिर मुद्दे को हल करने का प्रयास करना होगा।

रवींद्र भगत ने कहा कि बाल तस्करी, ड्रग्स और तस्करी के बाद तीसरा सबसे महत्वपूर्ण संगठित अपराध है। उन्होंने प्रबंधन के छात्रों को कहा कि आप दुनिया को एक अलग नजरिए से देखते हैं। बाल तस्करी की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए आपको बड़ा कदम उठाना चाहिए।

प्रो रोहित कुमार ने कहा कि छात्रों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे संस्थानों के साथ ऐसी सामाजिक समस्याओं से निबटने के लिए सहयोग करें। सतीश कुमार ने कहा कि वास्तविक समस्या से निबटने के लिए रोडमैप तैयार करने की जरूरत है। साथ ही, कंपनियां कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी भी निभाएं।

खेलगांव परिसर में रविवार को वॉकथॉन में शामिल आईएमएम रांची के छात्र-छात्राएं। • हिन्दुस्तान

नुक्कड़ नाटक का आयोजन

महोत्सव में 'ड्रामेबाज-आईआईएम रांची' व टीम 'आवाज-एक्सआईएसएस' की ओर से सामाजिक मुद्दों पर आधारित दो नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया। यह नाटक बेटियों की परवरिश, शिक्षा, सशक्तीकरण का संदेश, लिये हुए था।

संगीत की स्वर लहरियों की गूंज

शाम होते ही खेलगांव स्थित शेख भिखारी स्टेडियम संगीत की स्वर लहरियों में डूब गया। अंडरग्राउंड ऑथोरिटी बैंड के लाइव परफॉर्मेंस पर युवाओं का जोश देखते ही बना। बड़ी संख्या में संगीत प्रेमियों ने इसका आनंद उठाया।

Hindustan, 03.02.2020, Pg.02(Supli)